घर लौटते पुरखे: नागा अवशेषों की ऑक्सफ़ोर्ड से वापसी

मूल प्रकाशन: 27 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के पिट रिवर्स म्यूज़ियम के 'A Path Home' पन्ने के अनुसार 9 नवंबर 2026 को 39 नागा पूर्वजों के अवशेषों की संरक्षकता नागा लोगों को सौंपी गई और उनकी घर वापसी की यात्रा शुरू हुई।

मुख्य परीक्षा: GS-1: कला एवं संस्कृति, औपनिवेशिक इतिहास का प्रभाव; GS-2: अंतर्राष्ट्रीय संबंध (सांस्कृतिक कूटनीति, विरासत); GS-4: गरिमा, सहमति, नैतिकता।

प्रिलिम्स: विरासत और संग्रहालय से जुड़ी अवधारणाएँ (प्रत्यावर्तन/Repatriation)।

परीक्षा-प्रासंगिकता: मुख्य परीक्षा के लिए उच्च (निबंध, GS-1 और GS-4 के उदाहरण); प्रिलिम्स के लिए मध्यम (शब्दावली और संस्थान)।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के पिट रिवर्स म्यूज़ियम ने 39 नागा पूर्वजों के अवशेष नागा लोगों को सौंपे हैं। संग्रहालय के अनुसार 9 नवंबर 2026 को ऑक्सफ़ोर्ड में हुए स्वामित्व-हस्तांतरण समारोह में अवशेषों की संरक्षकता (custodianship) फ़ोरम फ़ॉर नागा रिकॉन्सिलिएशन (FNR) और नागा ट्राइब होहो को दी गई। इसके बाद अवशेषों की घर वापसी की यात्रा शुरू हुई। गंतव्य नागालैंड का दीमापुर है, जहाँ से आगे नागा समुदाय अपना साझा स्मारक-स्थल बनाने का संकल्प ले चुका है। संग्रहालय का पन्ना केवल यात्रा शुरू होने की पुष्टि करता है, अवशेषों के पहुँचने या अंतिम संस्कार की नहीं।

बुनियादी बातें:

प्रत्यावर्तन (Repatriation): किसी संग्रहालय या संस्था में रखी सांस्कृतिक वस्तुओं या मानव अवशेषों को उनके मूल समुदाय या देश को लौटाने की प्रक्रिया।

होहो (Hoho): नागा जनजातियों की पारंपरिक परिषद।

परिचय

यह वापसी इसलिए खास है कि पहल नागा समुदाय की ओर से हुई और निर्णय उनकी सहमति से आगे बढ़ा। संग्रहालय इसे "नागा-नेतृत्व वाली" प्रक्रिया बताता है, जिसमें संवाद, शोध और सुलह तीनों शामिल रहे। नागा साझेदार इसे अंत नहीं, उपचार की लंबी राह का एक कदम कहते हैं।

मुख्य भाग

औपनिवेशिक पृष्ठभूमि: संग्रहालय के अनुसार नागा अवशेषों में से अधिकांश को जॉन हेनरी हटन और जेम्स फिलिप मिल्स लगभग 1910 से 1940 के बीच ऑक्सफ़ोर्ड ले गए। दोनों औपनिवेशिक प्रशासक और मानवविज्ञानी थे। संग्रहालय खुद मानता है कि औपनिवेशिक "संग्रह" तटस्थ अकादमिक काम नहीं था। उसके अनुसार कई वस्तुएँ और अवशेष दंडात्मक सैन्य अभियानों के दौरान ज़ब्त किए गए।

प्रक्रिया की समयरेखा:

- **2020:** संग्रहालय ने सभी मानव अवशेष प्रदर्शन से हटाए। इसके बाद नागा मानवविज्ञानी प्रो. डॉली किकोन ने संग्रहालय निदेशक से संपर्क किया।
- **2020-21:** FNR और संग्रहालय के बीच ऑनलाइन संवाद। 2021 में FNR ने समुदायों के साथ सहभागी शोध के लिए RRaD (Recover, Restore and Decolonise) टीम बनाई।
- **मार्च 2025:** ऑक्सफ़र्डशायर की एक नीलामी में नागा खोपड़ी बेचने की कोशिश रोकी गई। इसके बाद ब्रिटेन के हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स में मानव अंगों की बिक्री और प्रदर्शन रोकने पर बहस हुई।
- **8-14 जून 2025:** संग्रहालय में पहला औपचारिक नागा प्रतिनिधिमंडल। 13 जून 2025 को सभी जनजाति होहो, FNR और RRaD की ओर से सर्वसम्मत "नागा-ऑक्सफ़ोर्ड घोषणा" जारी हुई।
- **13 जुलाई 2026:** ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय परिषद ने 39 अवशेष लौटाने पर सहमति दी। एक और अवशेष, जिसकी नागा उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, इसमें शामिल नहीं किया गया।
- **9 नवंबर 2026:** स्वामित्व-हस्तांतरण पत्र पर संग्रहालय की ओर से प्रो. लॉरा वैन ब्रोकहोवन और FNR की ओर से रेव. डॉ. वाति आइर ने हस्ताक्षर किए। इस वापसी को होमबाउंड प्रोजेक्ट का सहयोग मिला।

क्यों महत्वपूर्ण

गरिमा और सहमति: निर्णय का आधार समुदाय की अपनी इच्छा है, संग्रहालय की सुविधा नहीं। नागा प्रतिनिधियों ने इसे सम्मानजनक अंतिम विश्राम और उपचार से जोड़ा है।
नैतिक संग्रहालय: मानव अवशेषों को प्रदर्शन से हटाना, दावे की औपचारिक सुनवाई और स्वामित्व सौंपना, यह संग्रहालयों की बदलती नैतिकता का उदाहरण है।
विऔपनिवेशीकरण: नागा नेताओं ने इसे केवल वापसी नहीं, औपनिवेशिक इतिहास से जुड़ा सुधार भी कहा है। संग्रहालय का अपना पन्ना भी यही ढाँचा अपनाता है।
सांस्कृतिक कूटनीति: भारत के उत्तर-पूर्व के समुदाय और ब्रिटेन की एक संस्था के बीच यह संवाद विरासत से जुड़े सहयोग का उदाहरण है।

आगे की राह

सम्मानजनक विश्राम: अवशेषों का दीमापुर पहुँचना और समुदाय की परंपरा के अनुसार अंतिम विश्राम।
साझा स्मारक: नागा समुदाय द्वारा संकल्पित स्मारक-स्थल का निर्माण।
पारदर्शी नीति: संग्रहालयों में रखी अन्य औपनिवेशिक वस्तुओं पर समुदाय-आधारित, पारदर्शी नीति।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. औपनिवेशिक काल में संग्रहालयों में पहुँचे मानव अवशेषों और सांस्कृतिक वस्तुओं की वापसी के नैतिक और ऐतिहासिक आधारों की चर्चा कीजिए। हाल में नागा पूर्वजों के अवशेषों की वापसी इस बहस में क्या जोड़ती है? (150 शब्द, 10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका: प्रत्यावर्तन की परिभाषा; 39 नागा अवशेषों की वापसी का संक्षिप्त संदर्भ।

मुख्य भाग: औपनिवेशिक संग्रह और दंडात्मक अभियानों की पृष्ठभूमि; गरिमा, सहमति और समुदाय का अधिकार; संग्रहालयों की नैतिक जवाबदेही; नागा मामले में समुदाय-नेतृत्व वाली प्रक्रिया (संवाद, घोषणा, औपचारिक दावा)।

निष्कर्ष: वापसी अंत नहीं, सुलह की प्रक्रिया का चरण है; पारदर्शी और सहमति-आधारित नीति आवश्यक।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: ऑक्सफ़ोर्ड के पिट रिवर्स म्यूज़ियम ने 39 नागा पूर्वजों के अवशेष नागा लोगों को सौंपे हैं और उनकी घर वापसी की यात्रा शुरू हुई है। संग्रहालय ने अभी केवल यात्रा शुरू होने की पुष्टि की है।

▼ प्रश्न 1. कितने नागा पूर्वजों के अवशेष लौट रहे हैं?

39। ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय परिषद ने 13 जुलाई 2026 को इनकी वापसी मानी।

▼ प्रश्न 2. अवशेष किसे सौंपे गए?

फ़ोरम फ़ॉर नागा रिकॉन्सिलिएशन (FNR) और नागा ट्राइब होहो के माध्यम से नागा लोगों को, 9 नवंबर 2026 को।

▼ प्रश्न 3. अवशेष कहाँ पहुँचेंगे?

संग्रहालय के अनुसार नागा मातृभूमि में, दीमापुर (नागालैंड) के रास्ते।

▼ प्रश्न 4. क्या पहुँचने की पुष्टि हो गई है?

नहीं। संग्रहालय का पन्ना केवल यात्रा शुरू होने की पुष्टि करता है, पहुँचने या अंतिम संस्कार की नहीं।

▼ प्रश्न 5. एक अवशेष क्यों नहीं लौटाया गया?

उसकी नागा उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, इसलिए वह इस वापसी में शामिल नहीं है।

▼ **प्रश्न 6. प्रत्यावर्तन क्या है?**

मूल समुदाय या देश को वस्तुओं या मानव अवशेषों की वापसी।

स्रोत

पिट रिवर्स म्यूज़ियम (ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय): "A Path Home"

pcsmantra.com